राम मंदिर पर बाबरी ताला लगाने का आरोप सरासर झूठ, न्यायालय के फैसले का सम्मान: प्रियंका

एजेंसी

रायबरेली। कांग्रेस के सत्ता में आने पर अयोध्या के राम मंदिर में बाबरी ताला लगा दिये जाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरोप को सरासर झूठ करार देते हुए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी कई बार कह चुकी है कि वह अदालत के फैसले का सम्मान करती है। रायबरेली में अपने भाई और कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में प्रचार कर रही प्रियंका ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में बाबरी ताले को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा लगाये गये आरोप के बारे में पूछे जाने पर कहा, यह सरासर झूठ है। कांग्रेस पार्टी ने कई बार कहा है कि वह (राम जन्म भूमि–बाबरी मस्जिद मामले में) अदालत के फैसले का सम्मान करेगी। हमने (अतीत में) ऐसा किया है और भविष्य में भी ऐसा ही करेंगे। मोदी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के धार में कहा था कि वह चाहते हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन मौजूदा लोकसभा चुनाव में 400 सीटें जीते ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कांग्रेस कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस नहीं लाये और अयोध्या में राम मंदिर पर बाबरी ताला ना लगाये। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बुधवार को उत्तर प्रदेश में अपनी रैलियों में बाबरी ताले की बात कही थी। कांग्रेस पर उद्योगपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के साथ साठगांठ के प्रधानमंत्री के आरोप पर प्रियंका ने कहा, देखिए, ऐसा लगता है कि मोदी जी को भी नाम लेने के लिए मजबूर किया गया है।

सही मायनों में भाजपा सरकार 'मंगलसूत्र छीनने के लिए' जिम्मेदार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर आम भारतीयों से 'धन की निकासी' उद्योगपतियों के लिए करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सही मायनों में 'मंगलसूत्र छीनने के लिए' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जिम्मेदार है। एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि राहुल गांधी ने अडाणी और अंबानी को 'गाली देना' बंद कर दिया है और क्या उनकी पार्टी को बदले में इनसे पैसा मिला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का भरोसा जताते हुए एक बयान में कहा, 'चार जून को जैसे ही कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता संभालेगी, हम आर्थिक विकास में तेजी लाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आम भारतीय परिवार सबसे बड़े लाभार्थी हों। हम भारतीय परिवारों से मित्र पूंजीपतियों की तरफ होने वाली 'धन की निकासी' को समाप्त करेंगे।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि 150 साल पहले दादाभाई नौरोजी ने 'धन की निकासी' का सिद्धांत दिया था और उन्होंने बताया था कि कैसे भारत के लोगों का धन लूटकर ब्रिटेन भेजा जा रहा था। उन्होंने कहा, 'हमने 2014 से इसी तरह भारत के परिवार से मोदी के परिवार में 'धन की निकासी' देखी है।

तीन चरणों के मतदान ने किया पीएम मोदी को बेचैन : पवार

पुणे। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों के मतदान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बेचैन कर दिया है और इसीलिए उन्होंने अपने भाषणों में खुलेआम मुस्लिम समुदाय का जिक्र करना शुरू कर दिया है। पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा में पत्रकारों से बातचीत में पवार ने क्षेत्रीय दलों के कांग्रेस में विलय संबंधी अपनी टिप्पणी के बारे में कहा कि कई राजनीतिक दलों की विचारधारा कांग्रेस की विचारधारा के समान है। तीन चरण का मतदान पूरा होने के बाद लोकसभा चुनाव के उनके आकलन के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'ऐसा लगता है कि इन तीनों चरणों का मतदान मोदी को बेचैन कर रहा है और ऐसा कहने का कारण यह है कि इन चरणों के मतदान के बाद प्रधानमंत्री मोदी के सुर बदल गए हैं।' पवार ने कहा, उन्होंने (मोदी) अपने भाषणों में खुलेआम मुस्लिम समुदाय का जिक्र करना शुरू कर दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें लगता है कि सांप्रदायिक विचार लाने से स्थिति बदल जाएगी। मेरा मानना है कि उनकी पार्टी में कुछ लोग सोचते हैं कि जैसे-जैसे मतदान के चरण पूरे हो रहे हैं उनका पद खतरे में पड़ता जा रहा है। उनकी पार्टी के कांग्रेस में संभावित विलय के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि उन्होंने कभी ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की। पवार ने हाल में एक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा था कि अगले कुछ साल में कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के और करीब आएंगे या उसमें विलय कर लेंगे। इस पर उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी राकांपा का उदाहरण लें। स्थापना से लेकर आज तक राकांपा और कांग्रेस एक साथ काम कर रहे हैं। दोनों दलों की विचारधारा (महात्मा) गांधी और (जवाहरलाल) नेहरू के आदर्शों में निहित है। इसलिए कांग्रेस जैसी विचारधारा वाले दलों का एक साथ आना और एक-दूसरे के साथ अधिक निकटता से काम करना कोई आश्चर्य नहीं होगा।' जब उनसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हाथ मिलाने पर निर्णय लेने के लिए दिल्ली में उनकी (वरिष्ठ पवार की) बैठकों के बारे में उनके भतीजे एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बयान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि कुछ सहयोगी भाजपा के साथ जाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा, कई मौकों पर, मैंने उनसे कहा कि यदि आप बातचीत करना चाहते हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी का होगा तथा पार्टी का निर्णय उनके रुख से अलग था। प्रधानमंत्री मोदी के इस दावे पर कि कांग्रेस को अंबानी और अडानी से पैसा मिला, पवार ने कहा कि देश में यह चर्चा का विषय रहता है कि अंबानी और अडानी किसके दोस्त हैं?

राहुल के सिपहसालार ने देश को रंग के आधार पर बांटने की बात की: नड्डा

सैम पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर जमकर बरसे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की हाल की एक टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक सलाहकार ने भारत को रंग के आधार पर बांटने की बात की है। नड्डा ने एक चुनावी रैली को सम्बोधित करते हुए कहा, राहुल गांधी के एक सिपहसालार और सलाहकार ने भारत को त्वचा के आधार पर विभाजित करने की बात की है। ऐसे लोग भारत की संस्कृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बुधवार को त्वचा के रंग संबंधी सैम पित्रोदा की टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस पर हमला किया था और कहा था कि देशवासी त्वचा के रंग के आधार पर अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। मोदी ने कहा था कि उन्हें अब समझ आ गया है कि कांग्रेस राष्ट्रपति चुनाव में

राष्ट्रपति मुर्मू को हराना चाहती थी क्योंकि उनकी त्वचा का रंग गहरा है। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष रहे पित्रोदा ने टिप्पणी थी कि देश के पूर्वी हिस्सों के लोग चीनियों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण के लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं। उनकी इस टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया है।

नड्डा ने राहुल पर हमला बोलते हुए कहा, राहुल गांधी इन दिनों संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेस हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और अतिपिछड़े भाइयों का हक छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' को घमंडिया गठबंधन करार देते हुए नड्डा ने कहा, यह घमंडिया गठबंधन केवल दो चीजों का गठबंधन है। मोदी जी कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को हटाओ जबकि घमंडिया गठबंधन के सदस्य कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ। यह अहंकारी गठबंधन भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा है। ये परिवारवादी लोग हैं।

मोदी ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी

भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा, 10 साल पहले भारत के सामान्य नागरिकों के मन में यह बात घर कर गई थी कि अब कुछ नहीं बदलेगा। राजनीति ऐसी ही है, यहां गुंडों का राज चलेगा लेकिन मोदी जी के आने के बाद भारतीय राजनीति में सब कुछ बदल गया है। इन चुनावों में आप न केवल भाजपा को जीत दिला रहे हैं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। नड्डा ने विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कहा, 10 साल तक भारतीय राजनीति में भाई-भतीजावाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोट बैंक और तुष्टीकरण प्रमुख कारक थे लेकिन पिछले 10 सालों में, मोदी जी ने विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर काम किया।

योगी ने यूपी को अग्रणी राज्य बनाया

नड्डा ने कहा, एक समय था जब उत्तर प्रदेश एक बीमारू राज्य था लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से अग्रणी राज्य बन गया है। बीमारू 1980 के दशक के मध्य में जनसांख्यिकी विशेषज्ञ आशीष बोस द्वारा गढ़ा गया शब्द है जो बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ सबसे गरीब राज्यों के नामों के पहले अक्षरों से बना था। चित्रकूट जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र चित्रकूट और मानिकपुर बांदा लोकसभा क्षेत्र में आते हैं जहां पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा।

मायावती ने दलितों और मुसलमानों से सपा को एक भी वोट नहीं देने का किया आह्वान

एजेंसी

कन्नौज। बसपा की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को राजनीतिक विरोधियों, खासकर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला तथा दलितों और मुसलमानों एवं वंचित वर्गों से उनकी पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक भी वोट नहीं देने का आह्वान किया। सपा प्रमुख के चुनावी क्षेत्र कन्नौज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बसपा अध्यक्ष ने याद किया कि कैसे अखिलेश यादव ने अपनी सरकार के दौरान उन जिलों के नाम बदल दिए थे, जिनका नाम दलित, शोषित और पिछड़ा वर्ग में जन्मे महापुरुषों के नाम पर रखा गया था। उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि सपा ने बड़ी मुस्लिम आबादी वाले निर्वाचन क्षेत्र में एक मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा क्योंकि वह एक परिवार से परे नहीं सोच सकती। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जब बसपा उत्तर प्रदेश में सत्ता में थी, तब मैंने बहुत काम किया और समाज के दबे-कुचले तबके में जन्मे महापुरुषों के नाम पर जिलों, पार्कों और संस्थानों के नाम गए थे लेकिन सपा प्रमुख यादव ने सत्ता में आते ही उनके नाम बदल दिये।

➪ कन्नौज में आयोजित चुनावी रैली में बसपा सुप्रीमो ने पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर जमकर प्रहार किए

सपा में नहीं मिलते मुसलमानों को टिकट

मायावती ने कहा, जब बसपा सत्ता में थी, तो वाराणसी से अलग कर एक नया जिला भदोही बनाया गया और उसका नाम संत रविदास के नाम पर रखा गया। वह भी अखिलेश यादव ने बदल दिया, दलित शोषित पिछड़े वर्ग के संतों, गुरुओं और महापुरुषों के प्रति इतनी नफरत। उन्हें किसने अधिकार दिया, उन्हें क्या अधिकार है कि वह दलितों और वंचितों से समाजवादी पार्टी को वोट देने के लिए कहें। आपको ऐसी पार्टी को वोट नहीं देना चाहिए और उन्हें माफ भी नहीं करना चाहिए। कन्नौज से अपनी पार्टी के उम्मीदवार इमरान बिन जफर का लोगों से परिचय कराते हुए मायावती ने कहा कि जब उन्होंने उन्हें मैदान में उतारा और समाजवादी पार्टी को इसकी जानकारी हुई तो सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के निर्देश पर टिकट दिया गया है । उन्होंने कहा कि यहां मुस्लिम आबादी बड़ी है लेकिन सपा मुसलमानों को टिकट नहीं देती है। बसपा नेता ने कहा ,' केवल अपने परिवार के यादवों को सपा परिवार ने चुनाव मैदान में उतारा है। हमने मुसलमानों को अधिकार दिया, वे इसे पचा नहीं पाए। मुसलमानों को यह याद रखना चाहिए और उन्हें सपा को एक भी वोट नहीं, बल्कि केवल बसपा उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चूंकि दलित और अति पिछड़े उनके (बसपा) पक्ष में जाएंगे और अगर मुस्लिम वोट भी बिना किसी विभाजन के उनके पास आ जाएगा, तो यहां परिणाम कुछ और होगा।

भाजपा पश्चिम बंगाल के 10 करोड़ लोगों को अपमानित कर रही: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के राष्टीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य और यहां के लोगों की छवि को धूमिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के 10 करोड़ लोगों को अपमानित करने के लिए भाजपा की निंदा की। बीरभूम लोकसभा सीट पर तृणमूल उम्मीदवार शताब्दी रॉय के समर्थन में एक ऑनलाइन सभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने संदेशखालि वीडियो क्लिप का उल्लेख किए बिना कहा कि पिछले सप्ताह की घटनाओं ने राज्य और उसके लोगों को शर्मिंदा और अपमानित करने की साजिश रचने वालों के असली इरादों का खुलासा कर दिया है। अभिषेक बनर्जी ने भाजपा के कार्यों की आलोचना करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने तीन महीने तक संदेशखालि के बारे में झूठा विमर्श पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए ग्रामीणों को पैसे की पेशकश की और राज्य के लोगों को अपमानित किया गया। तृणमूल नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता मतदान से इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा, ' कृपया भाजपा का असली रंग देखें। तीन महीने तक, उन्होंने संदेशखालि पर झूठी कहानी गढ़कर राज्य के लोगों को अपमानित किया, हमारी पार्टी और क्षेत्र के नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए एक ग्रामीण महिला को 2,000 रुपये की पेशकश करके बंगाल की माताओं और बहनों को अपमानित किया।' वह उस वीडियो क्लिप का जिक्र कर रहे थे जिसमें एक भाजपा नेता ने कथित तौर पर दावा किया था कि संदेशखालि में महिलाओं को स्थानीय तृणमूल नेताओं के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगाने के लिए भुगतान किया गया था। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने इससे पहले अभिषेक बनर्जी पर दक्षिण 24 परगना जिले में नदी तट क्षेत्र की महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की सैकड़ों वास्तविक शिकायतों से ध्यान भटकाने के लिए झूठा वीडियो बनाने का आरोप लगाया था।

रायबरेली से भाजपा उम्मीदवार ने अमेठी में कांग्रेस प्रत्याशी को बताया प्रियंका गांधी का क्लर्क

रायबरेली। रायबरेली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह ने गांधी परिवार पर रायबरेली-अमेठी के प्रति नफरत का भाव रखने का आरोप लगाते हुए पूछा है कि कांग्रेस ने अमेठी लोकसभा सीट से किसी स्थानीय नेता के बजाय पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के क्लर्क को ही क्यों चुना। रायबरेली की हाई-प्रोफाइल सीट पर चुनावी मुकाबले में राहुल गांधी से मुकाबला कर रहे सिंह ने यह भी दावा किया कि राहुल 2019 के लोकसभा चुनाव में अपनी मां सोनिया गांधी की जीत के अंतर से भी ज्यादा वोटों से हारेंगे। सोनिया गांधी ने 2019 में दिनेश प्रताप सिंह को ही एक लाख 67 हजार से अधिक वोटों से हराया था। हालांकि, यह रायबरेली सीट पर एक उपचुनाव सहित पांच चुनावों में सोनिया की जीत का सबसे कम अंतर था। सिंह ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार को रायबरेली-अमेठी से नफरत है, इसीलिए उन्होंने 1952 के बाद से न तो इन सीट पर वहां के किसी मूल निवासी को लोकसभा चुनाव में उतारा और न ही किसी को राज्यसभा भेजा। उन्होंने दावा किया, गांधी परिवार के मन में अमेठी-रायबरेली के लिए इतनी नफरत भरी हुई है कि 1952 से लेकर अब तक गांधी परिवार ने कभी भी रायबरेली में किसी मां की कोख से जन्मे व्यक्ति को लोकसभा का टिकट नहीं दिया। रायबरेली के किसी भी बेटे को राज्यसभा नहीं भेजा गया और गांधी परिवार ने रायबरेली से किसी को सांसद प्रतिनिधि तक नहीं बनाया।

चुनावी गलियारे से

परिवार की पांचों सीट हारेगी सपा: आदित्यनाथ

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) का खाता भी नहीं खुलेगा। मुख्यमंत्री लखीमपुर खीरी में भाजपा उम्मीदवार अजय मिश्रा टेनी के पक्ष में आयोजित एक जनसभा के संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव की उम्मीदवारी वाली कन्नौज सीट समेत उनके परिवार के सदस्यों की उम्मीदवारी वाली वाली सभी पांचो सीट पर सपा की हार सुनिश्चित है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस और सपा के लोग कह रहे हैं कि राममंदिर का निर्माण अनावश्यक हुआ है। चुनाव जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है, दो चीजें साफ हो गई हैं। एक तरफ, भारत के विकास, गरीब कल्याण के लिए योजनाओं का लाभ देने वाले रामभक्त हैं। दूसरी तरफ, भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का अपमान करने वाले, आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले रामद्रोही हैं। उन्होंने कहा, रामद्रोही सपा सरकार के समय दंगा, कर्फ्यू होता था। व्यापारी और बेटियां असुरक्षित थीं। कांग्रेस के समय में देश में घुसपैठ होती थी। आतंकवाद और नक्सलवाद सिर चढ़कर बोल रहा था, विकास का कार्य ठप था। गरीबों को मिलने वाली योजनाओं में बंदरबांट होता था। आज तो 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। '

भाजपा नेता का ओवैसी भाइयों पर तीखा हमला

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन पर तीखा हमला करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता नवनीत राणा ने कहा कि अगर '15 सेकंड के लिए पुलिस को ड्यूटी से हटा दें तो दोनों भाइयों को पता नहीं चलेगा कि वे कहां से आए और कहां गए।' राणा का बयान एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के 2013 में दिए गए उस विवादित भाषण के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पुलिस को हटा दिया जाए तो देश में 'हिन्दू-मुस्लिम अनुपात' को बराबर लाने में उन्हें केवल '15 मिनट' लगेंगे। महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार राणा ने कहा, 'छोटा (अकबरुद्दीन) बोलता है कि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटाओ तो दिखाएंगे कि हम क्या कर सकते हैं। मेरा कहना है तुम 15 मिनट लगाओगे पर हमको 15 सेकंड लगेंगे। अगर 15 सेकंड पुलिस को हटाया तो छोटे और बड़े को यह पता नहीं लगेगा कहां से आए और कहां गए।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर टिप्पणी करते हुए एक वीडियो क्लिप साझा किया है। राणा बुधवार को तेलंगाना में हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता और अन्य के समर्थन में प्रचार कर रही थीं। उनकी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहना चाहेंगे कि वह एक घंटा दें।

माकपा और तृणमूल कार्यकर्ताओं में नोकझोंक

कोलकाता। कोलकाता में नामांकन दाखिल करने से पहले निकाली गई रैली के दौरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यह घटना उस वक्त हुई जब तृणमूल की एक उम्मीदवार और वाम मोर्चा के पांच उम्मीदवार नामांकन दाखिल करने के लिए अलीपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान दोनों दलों के समर्थकों के बीच तीखी बहस और नारेबाजी हुई, लेकिन वहां बड़ी संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों ने मामले को संभालते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया। तृणमूल की माला रॉय इस बार भी कोलकाता दक्षिण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनका मुकाबला माकपा की सायरा शाह हलीम से है। जादवपुर सीट से माकपा के सृजन भट्टाचार्य, डायमंड हार्बर से प्रतिकुर रहमान, मथुरापुर से शरत चंद्र हलदर और जयनगर सीट से रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के उम्मीदवार समरेंद्रनाथ मंडल मैदान में उतरे हैं।

वाम मोर्चा के पांच उम्मीदवारों ने नामांकन भरा

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के लिए वाम मोर्चा के पांच उम्मीदवारों और तृणमूल कांग्रेस की प्रत्याशी माला रॉय ने बृहस्पतिवार को यहां अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। अलीपुर में दक्षिण 24 परगना के जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किए जाने के दौरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच उस वक्त तीखी नोकझोंक हुई, जब दोनों ओर से निकाला गया जुलूस आमने-सामने आ गया। माकपा उम्मीदवारों में कोलकाता दक्षिण से सायरा शाह हलीम, जादवपुर से सृजन भट्टाचार्य, डायमंड हार्बर से प्रतिकुर रहमान और मथुरापुर से शरत चंद्र हलदर ने पर्चा दाखिल किया। वहीं आरएसपी प्रत्याशी समरेंद्रनाथ मंडल ने जयनगर लोकसभा सीट से नामांकन-पत्र दाखिल किया। तृणमूल कांग्रेस की माला रॉय ने भी अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। वह इस बार भी कोलकाता दक्षिण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनका मुकाबला माकपा की सायरा शाह हलीम से है। एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान दोनों दलों के समर्थकों के बीच तीखी बहस और नारेबाजी हुई, लेकिन वहां बड़ी संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों ने मामले को संभालते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया।

संदेशखालि 'स्टिंग ऑपरेशन' वीडियो को लेकर तृणमूल ने आयोग में शिकायत दर्ज कराई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में संदेशखालि मामले को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग से भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी एवं अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज करवायी है। पार्टी ने दावा किया है कि भाजपा के एक नेता ने कैमरे पर कबूल किया है कि संदेशखालि मामले में दुष्कर्म के आरोप मनगढ़ंत थे। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से संबंधित नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिये पुलिस को निर्देश देने का आग्रह किया । तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने निर्वाचन आयोग को बृहस्पतिवार को एक पत्र सौंपा। पत्र में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने अधिकारी एवं अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार के खिलाफ झूठी बलात्कार की शिकायतें दर्ज कराने की गहरी साजिश में शामिल होकर समाज के साथ गंभीर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

अमेठी गांधी परिवार की अमानत, मेरी जीत यानी उनकी जीत: किशोरी लाल शर्मा

अमेठी। उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने वीरवार को कहा कि इस सीट पर कांग्रेस के हार स्वीकार करने के भाजपा के दावे से 'अहंकार' की बू आती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी जीत गांधी परिवार की जीत होगी। शर्मा ने यहां कांग्रेस नेता सतीश शर्मा का उदाहरण दिया, जिन्होंने 1990 के दशक में अमेठी से चुनाव लड़ा था और इस सीट पर सोनिया गांधी के राजनीतिक सफर की शुरुआत की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में इस तरह के हालात बनते हैं तो वह भी गांधी परिवार के किसी सदस्य के लिए ऐसा ही करेंगे। शर्मा ने 1991 और 1996 में अमेठी सीट पर दर्ज की थी लेकिन 1998 में उन्हें हार का सामना करना पड़ना था, जिसके बाद उन्होंने रायबरेली का रुख किया और सोनिया गांधी ने 1999 में अमेठी से चुनाव लड़ा तथा जीत दर्ज की। इस बार राहुल गांधी रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं जबकि गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव मैदान में हैं।

आया राम, गया राम की राजनीति को फिर से चरितार्थ करता हरियाणा

हरियाणा की राजनीति में चुनाव पूर्व दल- बदल कोई नई बात नहीं है। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के नेता अक्षर दल बदलते रहते हैं। अगर हम 1966 से हरियाणा राज्य के गठन से लेकर अब तक हरियाणा की राजनीति को देंखे तो मालूम हो जाऐगा कि राजनैतिक दलों के नेता चुनावों के समय दल- बदलतें रहते हैं। इस दल- बदल में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों के नेता शामिल हैं। हरियाणा ही नहीं देश- भर में नेताओं का चुनाव के वक्त दल- बदलना भारतीय राजनीति की फितरत बन गया है। 1967 तक भारतीय राजनीति में दल- बदल ज्यादा नहीं होता था। लेकिन 1967 के विधानसभा चुनावों के बाद कई राज्यों में कांग्रेस पार्टी बहुमत से पीछे रह गई और पहली बार कई राज्यों में गैर- कांग्रेसी सरकारों का गठन हुआ, जिसमें बड़े स्तर पर दल- बदल हुआ। मार्च 1967 से लेकर दिसम्बर 1970 तक 4000 विधायकों में से 1400 विधायकों ने दल- बदल किया। हरियाणा राज्य भी इस दल- बदल से अछूता नहीं रहा। दल- बदल करने वालों के लिए अक्षर आया राम गया राम शब्दावली का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तव में गया लाल हरियाणा के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र (अब होडल) से विधायक थे। उन्होंने चुनाव जीतने के बाद 15 दिनों में चार बार अपनी निष्ठा बदली थी। 1967 में पहली बार हरियाणा विधानसभा के चुनाव हुए थे, जिसमें 16 विधायक निर्दलीय चुने गए, जिनमें गया लाल भी शामिल थे। वे मूलतः कांग्रेस पार्टी के बागी विधायक थे। लेकिन चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस पार्टी में वापस आ गए। तब कांग्रेस पार्टी को 48 सीटें मिली थी। कांग्रेस पार्टी ने बहुमत से सरकार बनाई, लेकिन यह सरकार 10 दिन भी नहीं चल पाई क्योंकि गया लाल सहित 12 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। ये सभी यूनाइटेड फ्रंट में शामिल हो गए, लेकिन कुछ ही घंटों में गया लाल का मन बदला और वे फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। लेकिन इस बार वे कांग्रेस पार्टी में सिर्फ 9 घंटे ही रुके और वे फिर से कांग्रेस पार्टी को छोड़कर वापस यूनाइटेड फ्रंट में चले गए। यानी एक दिन में तीन बार उन्होंने पाला बदला। कुछ दिन भी नहीं बीते थे की उन्होंने फिर से पाला बदल दिया और घर वापसी करते हुए कांग्रेस पार्टी में आ मिले। कांग्रेस पार्टी में वापसी के बाद पार्टी के नेता राव बीरेंद्र सिंह उनको लेकर चंडीगढ़ पहुँचे और वहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राव बीरेंद्र ने तब कहा था, गया राम अब आया राम है इसके बाद से हरियाणा राज्य देश- भर में दल- बदल के लिए प्रसिद्ध हो गया। भारतीय राजनीति में दल- बदलूओं के लिए आया राम, गया राम का मुहावरा बन गया, बात यहीं तक नहीं रुकी।

भजन लाल ने मूलतः कांग्रेस पार्टी से अपनी राजनीतिक शुरुआत की थी, लेकिन 1977 में आपातकाल के दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। वे जनता पार्टी में शामिल हो गए। 1977 में जेपी की आंधी में कांग्रेस पार्टी केंद्र की सरकार से रुखसत हो गई। हरियाणा राज्य में भी चौधरी देवीलाल के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी। भजनलाल इस सरकार में मंत्री बने। आपसी खिंचतान के कारण केंद्र में मोरारजी देसाई की सरकार गिर गई। 1979 में हरियाणा में भी चौधरी देवी लाल की सरकार का तख्तापलट कर चौधरी भजन लाल मुख्यमंत्री बन गये। 1980 मे देश में लोकसभा के फिर से चुनाव हुए। इन चुनावों में इंदिरा गाँधी फिर से प्रधानमंत्री बनी। चुनाव के कुछ दिन बाद ही हरियाणा में जनता पार्टी के मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल कांग्रेस पार्टी में पूरे मंत्रीमण्डल के साथ शामिल हो गये। ये इस तरीके की हरियाणा की राजनीति में अनोखी घटना थी, इसके बाद ये अभ्यास हरियाणा की राजनीति में बार- बार होते रहे।

1996 में हुए विधानसभा चुनावों में हरियाणा विकास पार्टी व भाजपा की गठबंधन सरकार बनी। ये सरकार तीन साल ही चल पाई क्योंकि हविपा व भाजपा पार्टी का गठबंधन टूट गया जिसके कारण चौधरी बंसी लाल की सरकार गिर गई। इसके कुछ समय बाद ही हविपा पार्टी में टूट हो गई, जिसके कारण कुछ विधायक इनेलो पार्टी में शामिल हो गये। इसके बाद चौधरी औम प्रकाश चौटाला, भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री बने। ये घटना भी दल- बदल के इतिहास में अनोखी घटना थी। इसी तरह 2009 में विधानसभा चुनाव हुए, इन चुनावों में कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी। चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने निर्दलीय विधायकों की मदद से चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सरकार बनाई। सरकार को ओर मजबूत करने के लिए हरियाणा जनहित कांग्रेस पार्टी के कुछ विधायक कांग्रेस में शामिल हो गये। इस तरह चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा पूरे 5 साल हरियाणा के मुख्यमंत्री बने रहे। 2014 में मोदी लहर में भी हरियाणा में बड़े स्तर पर दल- बदल हुआ। कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हो गये थे। जैसे राव इंद्रजीत, धर्मवीर सिंह, बीरेंद्र सिंह ये सब कांग्रेस के बड़े नेता थे। ऐसे ही इनेलो के अशोक अरोड़ा व कृष्ण पंवार जैसे नेता दूसरे दलों में चले गए। इसी तरह के हालात अब वर्तमान में भी चले हुए हैं। बड़े स्तर पर दल- बदल हरियाणा की राजनीति में हो रहा है। कुछ दिन पहले ही चौधरी बीरेंद्र सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा, उनके बेटे बिजेंद्र सिंह सांसद व उनकी पत्नी प्रेमलता जी पूर्व विधानयक सभी ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी में वापसी कर ली है। ऐसे जननायक जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह भी पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान भी भाजपा में शामिल हो गए। अभी भी बड़े- स्तर पर हरियाणा में दल- बदल जारी है, जो की आया राम गया राम की कहावत को चरितार्थ कर रहा है। 1985 में 52 वें संविधान संशोधन द्वारा दल- बदल कानून पारित हुआ। लेकिन अभी भी हरियाणा ही नहीं देश भर में चुनाव के वक्त दल- बदल भारतीय राजनीति की बड़ी विशेषता बन गया है। वर्तमान समय में नेताओं की न तो कोई नीति है न कोई सिद्धांत बस सत्ता में बने रहना ही उनका एक मात्र लक्ष्य रह गया है। डॉ रवि महेंद्रा, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक, लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

-डॉ. रवि महेंद्रा